Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding dilapidated condition of ESIS hospital in Muland, Maharastra.

श्री मनोज कोटक (मुम्बई उत्तर-पूर्व): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । मुम्बई में दो ईएसआईसी के अस्पताल हैं । कामगारों की पगार के पैसे में से कुछ राशि ली जाती है, जो उनको मेडिकल सुविधा प्रदान करने के लिए होती है । एक अस्पताल में पिछले साल आग लग गई थी, जिसमें 14 लोगों की मृत्यु हो गई और वह अस्पताल आज तक बंद पड़ा है । दूसरा अस्पताल 300 बेड्स का है, लेकिन सौ बेड्स से ज्यादा उसकी ऑक्यूपेन्सी नहीं रहती है । वह काफी जर्जर अवस्था में है । कामगार कल्याण केन्द्र योजना के माध्यम से केन्द्र सरकार कामगारों के कल्याण के लिए उनकी पगार से पैसे काटती है । मुम्बई में पिछले दिनों भारी बारिश के चलते एक दीवार गिरने से कई मज़दूरों की मौत हो गई । भारी बारिश के चलते कामगारों के स्वास्थ्य के लिए इन दोनों अस्पतालों में सुविधाएं देना आवश्यक है । एक अस्पताल बंद पड़ा है और दूसरा काफी जर्जर अवस्था में है, जो मेरे निर्वाचन क्षेत्र में है । कर्मचारियों के निवास स्थान की हालत भी काफी जर्जर है । मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान उसकी तरफ आकर्षित करना चाहता हूं कि इन दोनों अस्पतालों में से एक को शुरू किया जाए और दूसरे में आरोग्य की सुविधाएं बढ़ाई जाएं ।

माननीय अध्यक्ष: डॉ. किरिट पी. सोलंकी को श्री मनोज कोटक द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।